

23 अप्रैल 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

- ये उपकरण वैज्ञानिकों को नई दराएं खोजने की दर बढ़ाने में मदद करते हैं:

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

पर्यावरण:

1. पृथ्वी के 'अच्छे स्वास्थ्य' के अधिकार को बहाल करना:

आपदा प्रबंधन:

1. भूकंप से निपटने की क्षमता में ताइवान से एक सबक:

राजव्यवस्था:

1. स्टार प्रचारकों के संबंध में क्या नियम हैं?

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. वेंकेया नायडू, मिथुन चक्रवर्ती, उषा उथुप, राम नाइक पद्म पुरस्कार से सम्मानित:
2. पहले चरण में मतदान प्रतिशत में गिरावट के साथ, ईसीआई ने हीट वेन्स की स्थिति की निगरानी के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया:
3. दो महिला नौसेना अधिकारी एक ऐतिहासिक ट्रांसओशनिक अभियान के बाद वापस लौटीं:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

ये उपकरण वैज्ञानिकों को नई दवाएं खोजने की दर बढ़ाने में मदद करते हैं:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

विषय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में विकास, रोजमर्रा की जिंदगी में वैज्ञानिक विकास के अनुप्रयोग।

मुख्य परीक्षा: रोगाणुरोधी दवाओं के निर्माण में भारत के सामने आने वाली चुनौतियाँ।

प्रसंग:

- संभावित दवा लक्ष्यों की पहचान करने से लेकर प्रभावी दवाएं विकसित करने तक की यात्रा महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है।
- जैसे-जैसे दवा-लक्ष्य खोज आगे बढ़ती है, दवा विकास के लिए आवश्यक उपकरणों और विशेषज्ञता की ओर ध्यान जाता है।
- इसमें आणविक डॉर्किंग सिमुलेशन, रासायनिक पुस्तकालय, संरचनात्मक और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञानी और संस्थान-उद्योग सहयोग शामिल हैं।
- रोगाणुरोधी दवाओं के अग्रणी निर्माता और उपभोक्ता भारत को इन दवाओं की बढ़ती अप्रभावीता के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप दुनिया भर में लाखों मौतें हो रही हैं।

नशीली दवाओं की खोज की शुरुआत:

- सीएसआईआर (CSIR)-सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने एस्चेरिचिया कोलाई और एस्केरिचिया कोलाई (Escherichia coli and

Plasmodium falciparum) का अध्ययन करके नई मलेरिया रोधी दवाओं के लिए संभावित लक्षणों की पहचान की हैं।

- मंजुला रेडी के समूह ने ई. कोलाई (E. coli) में पेटिओग्लाइकन हाइड्रॉलेज़ एंजाइम पर ध्यान केंद्रित किया, जो बैक्टीरिया के अस्तित्व के लिए आवश्यक है।
- पूरन सिंह सिंजवाली के समूह ने पी. फाल्सीपेरम (P. falciparum) के विकास के लिए महत्वपूर्ण एंजाइमों की पहचान की हैं।

नशीली दवाओं की खोज में कदम:

- दवा की खोज आमतौर पर अवरोधक अणुओं को खोजने के साथ शुरू होती है जो एक लक्ष्य से जुड़ते हैं और इसके कार्य को अवरुद्ध करते हैं।
- लक्षित अणुओं की संरचनात्मक जानकारी महत्वपूर्ण है, लेकिन डॉ. सिंजवाली के समूह द्वारा अध्ययन किए गए बड़े अणुओं के लिए संरचना प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण है।
- आणविक डॉर्किंग सिमुलेशन यह अनुमान लगाने में मदद करते हैं कि छोटे दवा जैसे यौगिक लक्ष्य अणुओं से कितनी अच्छी तरह से जुड़ते हैं।
- एफडीए-अनुमोदित दवाओं और अनुसंधान संस्थान यौगिकों सहित विभिन्न रासायनिक पुस्तकालय, दवा की खोज में सहायता करते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका:

- एआई-संचालित कार्यक्रम दवा की खोज में सहायता करते हुए संभावित दवा अणुओं की संरचनाओं की भविष्यवाणी कर सकते हैं।
- शोधकर्ताओं और दवा कंपनियों के बीच सहयोग संभावित दवा उम्मीदवारों के संश्लेषण और परीक्षण की सुविधा प्रदान करता है।

औषधि खोज में चुनौतियाँ:

- सुरक्षा और प्रभावकारिता के लिए संभावित दवाओं के परीक्षण में सेल संस्कृति और पशु मॉडल शामिल हैं।
- नैतिक आचरण और निष्पक्ष डेटा सुनिश्चित करने के लिए नैदानिक परीक्षणों को कठोरता से विनियमित किया जाता है।
- दवा की खोज के लिए कई विषयों के विशेषज्ञों के बीच सहयोग, पर्याप्त धन और उन्नत उपकरणों और सुविधाओं तक पहुंच की आवश्यकता होती है।

महत्व:

- रोगाणुरोधी प्रतिरोध ([antimicrobial resistance](#)) से निपटने और वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए दवा की खोज में तेजी लाना आवश्यक है।
- विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाने के लिए शोधकर्ताओं, स्टार्टअप और उद्योग के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है।

समाधान:

- संक्रामक रोग जीवविज्ञानी, संरचनात्मक जीवविज्ञानी, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञानी, रसायनज्ञ और अनुसंधान संस्थानों के बीच बेहतर सहयोग दवा खोज प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर सकता है।
- आणविक डॉर्किंग सिमुलेशन, एआई-संचालित दवा खोज और रासायनिक पुस्तकालय जैसे उपकरणों का लाभ उठाकर संभावित दवा उम्मीदवारों की पहचान में तेजी लाई जा सकती है।

सारांश:

- वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए दवा की खोज एक जटिल लेकिन आवश्यक प्रक्रिया है। ऐसे में उन्नत उपकरणों, अंतःविषय सहयोग और नवीन दृष्टिकोणों का लाभ उठाकर, शोधकर्ता संक्रामक रोगों से निपटने के लिए जीवन रक्षक दवाओं के विकास में तेजी ला सकते हैं। इसके लिए अनुसंधान और नवाचार समुदाय को एकजुट होना चाहिए, उपलब्ध तकनीकों

और सुविधाओं का उपयोग करना चाहिए और स्थानीय और वैश्विक समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए दवा खोज प्रयासों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

पृथ्वी के 'अच्छे स्वास्थ्य' के अधिकार को बहाल करना:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण संरक्षण।

मुख्य परीक्षा: अधिकार-आधारित संरक्षण दृष्टिकोण।

प्रसंग:

- यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय और भारत के सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court of India) के ऐतिहासिक फैसले जलवायु संकट और मानवाधिकारों के अंतर्संबंध को उजागर करते हैं।
- अदालतों ने अपर्याप्त सरकारी कार्रवाइयों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सुरक्षा के नागरिकों के अधिकारों के उल्लंघन के रूप में पहचाना हैं।
- जलवायु परिवर्तन को दुनिया भर में मानवाधिकार संकट के रूप में देखा जा रहा है।

जलवायु कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता:

- वैश्विक जलवायु रिपोर्ट की नवीनतम स्थिति जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की गंभीरता को रेखांकित करती है, जिसमें रिकॉर्ड में वर्ष 2023 को सबसे गर्म वर्ष माना गया है।
- बढ़ते तापमान, प्राकृतिक आपदाएँ और पर्यावरणीय तनाव लोगों के स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक-आर्थिक समानता को खतरे में डालते हैं।

- संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने मानवता की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रकृति के साथ सद्भाव बहाल करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है।

भारत की जलवायु कार्रवाई और कमजोरियाँ:

- भारत, एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, ने आर्थिक विकास से उत्सर्जन को कम करने और एनडीसी लक्ष्यों को समय से पहले हासिल करने की दिशा में प्रगति की है।
- प्रगति के बावजूद, भारत जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है, इसकी 80% से अधिक आबादी जलवायु आपदा-प्रवण क्षेत्रों में निवास करती है।
- जलवायु प्रभाव मौजूदा सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को बढ़ाते हैं और आजीविका और खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पैदा करते हैं।

त्वरित जलवायु कार्रवाई की राह:

- जलवायु परिवर्तन पर एक व्यापक विनियमन को अपनाने से राज्य की क्षमताएं बढ़ सकती हैं, संसाधनों का आवंटन बढ़ सकता है और अधिक महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई की सुविधा मिल सकती है।
- अन्य देशों में सफल जलवायु परिवर्तन रूपरेखा कानूनों से सीखकर, भारत जलवायु प्रशासन को मजबूत कर सकता है और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा दे सकता है।
- एसडीजी (SDGs) के लिए भारत के स्थानीयकरण मॉडल का लाभ उठाकर स्थानीय स्तर की योजना में जलवायु कार्रवाई को एकीकृत किया जा सकता है, हितधारकों के बीच नवाचार और सहयोग को बढ़ावा दिया जा सकता है।

निष्कर्ष:

- कानूनी मिसालों का लाभ उठाकर, भारत नागरिक समूहों को सशक्त बना सकता है, जलवायु कार्रवाई पर अधिकार-आधारित संवाद को बढ़ावा दे सकता है और धरती माँ के अच्छे स्वास्थ्य के अधिकार को बहाल कर सकता है।
- प्रकृति के अधिकारों को कायम रखना और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचाव करना सभी के लिए एक स्थायी और न्यायसंगत भविष्य सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

सारांश:

- कानूनी निर्णय जलवायु परिवर्तन को मानवाधिकार संकट के रूप में मान्यता देते हैं। वैशिक संकेतकों के खराब होने के कारण तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। भारत की प्रगति इन कमजोरियों से प्रभावित है। रणनीतिक रास्ते जलवायु कार्रवाई में तेजी ला सकते हैं, प्रकृति के साथ संतुलन बहाल कर सकते हैं और मानवाधिकारों की रक्षा कर सकते हैं।

भूकंप से निपटने की क्षमता में ताइवान से एक सबक:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आपदा प्रबंधन:

विषय: आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

मुख्य परीक्षा: भूकंप लचीलेपन का ताइवान मॉडल।

विवरण:

- पिछले दो दशकों में ताइवान, नेपाल, भारत और कई अन्य सहित वैशिक स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में भूकंप आए हैं।
- भूकंपों (earthquakes) के वितरण को प्लेट टेक्टोनिक्स द्वारा समझाया गया है, जहां पृथ्वी की प्लेटें लगातार चलती रहती हैं, जिससे उनकी सीमाओं पर भूकंपीय गतिविधि होती है।
- उल्लेखनीय उदाहरणों में भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के अभिसरण के कारण हिमालय पर आए भूकंप शामिल हैं।

ताइवान का भूकंप इतिहास:

- ताइवान फिलीपीन सागर और यूरेशियन प्लेटों के संगम पर स्थित है, जिससे भूकंप का खतरा बना रहता है।
- वर्ष 1999 का ची-ची भूकंप और वर्ष 2024 का हुआलिएन भूकंप, दोनों ही महत्वपूर्ण तीव्रता वाले ये भूकंप ताइवान की भेद्यता को प्रदर्शित करते हैं।
- समान परिमाण के बावजूद, वर्ष 2024 के भूकंप ने अपने पूर्ववर्ती भूकंपों की तुलना में बहुत कम नुकसान किया।

ताइवान के लचीलेपन से सबक:

- वर्ष 1999 के ची-ची भूकंप ने ताइवान को प्रशासनिक सुधार लागू करने के लिए प्रेरित किया, जिससे आपातकालीन प्रतिक्रिया में सुधार हुआ और आपदा में कमी आई।
- 1999 के भूकंप के बाद लागू किए गए कड़े बिल्डिंग कोड ने 2024 के भूकंप में क्षति को काफी कम कर दिया।
- ताइवान द्वारा उत्तर भूकंप तैयारियों का दावा किया जाता है, जिसमें मजबूत निगरानी नेटवर्क, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और सार्वजनिक जागरूकता अभियान शामिल हैं।
- बिल्डिंग कोड के निरंतर अपडेट और बिल्डिंग लचीलेपन को बढ़ाने के लिए निवासियों के लिए प्रोत्साहन ताइवान की भूकंप तत्परता में योगदान करते हैं।

भारत के लिए निहितार्थ और सिफारिशें:

- हिमालय जैसे भूकंप-संभावित क्षेत्रों में भारत के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए भूकंपीय सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करना आवश्यक है।
- ताइवान के उदाहरण से सीखते हुए, भारत को भूकंपीय कोड लागू करना चाहिए, अभियांत्रिकी संरचनाओं का निर्माण करना चाहिए और प्रवर्तन अंतराल को संबोधित किया जाना चाहिए।

- क्षेत्रीय भूकंपीय गतिविधि और निर्माण सामग्री के अनुरूप स्थानीयकृत भूकंपीय कोड, भारत की भूकंप लचीलापन के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- अंतर्निहित भूकंप प्रतिरोध के साथ पारंपरिक वास्तुकला शैलियों को फिर से खोजना और बढ़ावा देना भारत में आधुनिक इंजीनियरिंग दृष्टिकोण का पूरक हो सकता है।

सारांश:

- ताइवान की भूकंप प्रतिरोधक क्षमता, जिसका उदाहरण 2024 के हुलिएन भूकंप में न्यूनतम क्षति है, भारत जैसे भूकंप-प्रवण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण सबक प्रदान करती है। कड़े बिल्डिंग कोड और जन जागरूकता पर जोर देने से आपदा तैयारियों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

स्टार प्रचारकों के संबंध में क्या नियम हैं?**सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:****राजव्यवस्था:**

विषय: जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं।

मुख्य परीक्षा: स्टार प्रचारकों से सम्बन्धित जानकारी।

विवरण: लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (आरपी अधिनियम)

- आरपी अधिनियम (RP Act) की धारा 77 'राजनीतिक दल के नेताओं' द्वारा किए गए व्यय को नियंत्रित करती है, जिन्हें स्टार प्रचारक भी कहा जाता है।
- मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल अधिकतम 40-स्टार प्रचारकों की नियुक्ति कर सकते हैं, जबकि गैर-मान्यता प्राप्त दल 20 तक की नियुक्ति कर सकते हैं।
- चुनाव अधिसूचना के सात दिनों के भीतर स्टार प्रचारकों के नाम चुनाव आयोग (Election Commission) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सूचित किए जाने चाहिए।
- बहु-चरणीय चुनावों के विभिन्न चरणों के लिए अलग-अलग सूचियाँ प्रस्तुत की जा सकती हैं।

स्टार प्रचारकों के लिए लाभ:

- प्रचार के दौरान स्टार प्रचारकों द्वारा यात्रा या परिवहन पर किया गया खर्च उम्मीदवार के चुनाव खर्च में नहीं गिना जाता है।
- इससे उम्मीदवार अपनी व्यय सीमा को पार किए बिना स्टार प्रचारकों के प्रचार प्रयासों से लाभ उठा सकते हैं।

चुनाव आयोग की सलाह:

- चुनाव आयोग ने प्रचार के दौरान मर्यादा बनाए रखने और मुद्दों पर बहस का स्तर बढ़ाने के लिए सलाह जारी की है।
- स्टार प्रचारकों को अनुचित भाषा का उपयोग करने या जाति/सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने जैसे उल्लंघनों के प्रति आगाह किया गया है।

उल्लंघन के उदाहरण और न्यायालय के फैसले:

- दिल्ली में भड़काऊ टिप्पणियों के कारण अनुराग ठाकुर और परवेश वर्मा को स्टार प्रचारकों की सूची से हटाने और मध्य प्रदेश में कमलनाथ को हटाने पर सर्वोच्च न्यायालय की रोक जैसे उदाहरण नियमों को लागू करने में चुनौतियों को उजागर करते हैं।
- स्टार प्रचारकों से जुड़ी रैलियों/बैठकों के लिए खर्च का आकलन अक्सर कम हो जाता है, जिससे उम्मीदवारों को खर्च के सटीक बंटवारे के बारे में चिंता बढ़ जाती है।
- स्टार प्रचारकों से जुड़ी रैलियों/बैठकों के लिए खर्च का आकलन अक्सर कम हो जाता है, जिससे उम्मीदवारों को खर्च के सटीक बंटवारे के बारे में चिंता बढ़ जाती है।

प्रस्तावित समाधान:

- चुनाव आयोग को सशक्त बनाने में संशोधन:

- आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct) के गंभीर उल्लंघन के मामले में स्टार प्रचारक का दर्जा रद्द करने के लिए चुनाव आयोग को अधिकृत करने के लिए कानून में संशोधन कीजिए।
 - यह प्रचारकों के बीच अधिक जवाबदेही सुनिश्चित कर सकता है और जिम्मेदार प्रचार को बढ़ावा दे सकता है।
- बेहतर मूल्यांकन प्रक्रियाएँ:
 - मौजूदा बाजार दरों को सटीक रूप से प्रतिबिंबित करने के लिए स्टार प्रचारकों से जुड़ी रैलियों/बैठकों के खर्चों का आकलन और एक योजना के अनुसार वितरण।
 - इससे विसंगतियों का समाधान होगा और उम्मीदवारों के बीच खर्चों का उचित वितरण सुनिश्चित होगा।

सारांश:

- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 स्टार प्रचारकों के खर्च को नियंत्रित करता है। उम्मीदवार की व्यय सीमा से छूट जैसे लाभों के बावजूद, समस्याएं बनी हुई हैं, जिससे चुनाव आयोग को सशक्त बनाने और व्यय मूल्यांकन प्रक्रियाओं में सुधार की मांग उठ रही है।

प्रोलिम्स तथ्य:**1. वेंकैया नायडू, मिथुन चक्रवर्ती, उषा उथुप, राम नाइक पद्म पुरस्कार से सम्मानित:****प्रसंग:**

- भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक, पद्म पुरस्कार (Padma Awards), हाल ही में राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू द्वारा कई प्रमुख हस्तियों को प्रदान किया गया।
- इन पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती, गायिका उषा उथुप और टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना शामिल हैं।

- यह पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों के उन व्यक्तियों को सम्मानित करता है जिन्होंने समाज में अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता:

- पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, भरतनाल्यम नृत्यांगना पद्मा सुब्रमण्यम और सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिंदेश्वर पाठक को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।
- बिंदेश्वर पाठक को मरणोपरांत यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला, उनकी पत्नी अमोला ने उनकी ओर से इसे स्वीकार किया।

पद्म भूषण पुरस्कार विजेता:

- अभिनेता-राजनेता मिथुन चक्रवर्ती, गायिका उषा उत्थुप, उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक और उद्योगपति सीताराम जिंदल पद्म भूषण प्राप्तकर्ताओं में से थे।
- उल्लेखनीय प्राप्तकर्ताओं में काला अजार पर अनुसंधान और नीति में उनके योगदान के लिए गुजरात स्थित हृदय रोग विशेषज्ञ तेजस मधुसूदन पटेल, अनुभवी मराठी फिल्म निर्देशक दत्तात्रय अंबादास मयालू उर्फ राजदत्त और चिकित्सक चंद्रेश्वर प्रसाद ठाकुर भी शामिल हैं।

पद्म श्री पुरस्कार विजेता:

- पद्मश्री पुरस्कार विजेताओं में कालीन बुनाई, लोक गायन और कढ़ाई जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल हैं।
- उत्तर प्रदेश के एक मास्टर कालीन बुनकर खलील अहमद, मध्य प्रदेश के लोक गायक कालूराम बामनिया, बांग्लादेशी गायक रेजवाना चौधरी बान्या, और उत्तर प्रदेश के चिकनकारी कढ़ाई कलाकार नसीम बानो प्राप्तकर्ताओं में से थे।

महत्व:

- पद्म पुरस्कार उन व्यक्तियों को पहचानने और सम्मानित करने का काम करते हैं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- वे दूसरों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं।

2. पहले चरण में मतदान प्रतिशत में गिरावट के साथ, ईसीआई ने हीट वेब्स की स्थिति की निगरानी के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया:

प्रसंग:

- लोकसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान लू की स्थिति के कारण मतदान प्रतिशत में संभावित गिरावट की चिंताओं के बाद, चुनाव आयोग (ईसी) ने एक टास्क फोर्स की स्थापना की है।
- निर्वाचन आयोग, भारत मौसम विज्ञान विभाग (India Meteorological Department (IMD)), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों को शामिल करते हुए, इस कार्यबल का उद्देश्य मतदान के प्रत्येक चरण से पहले स्वास्थ्य और आर्द्धता पर मौजूदा मौसम की स्थिति के प्रभाव का आकलन करना है।

मतदाता मतदान संबंधी चिंताएँ:

- 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के लिए मतदान प्रतिशत 62.34% दर्ज किया गया था, चुनाव आयोग द्वारा अंतिम आंकड़े जारी किए जाने बाकी हैं।
- रिपोर्ट बताती हैं की मतदान के आंकड़ों में भिन्नता आ सकती हैं, कुछ स्रोतों से थोड़ा अधिक प्रतिशत का संकेत मिलता है।
- निर्वाचन आयोग मतदाता मतदान ऐप पर उपलब्ध आंकड़ों की वैधता पर जोर देता है, लेकिन मतदान प्रतिशत पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

मतदान को प्रभावित करने वाले कारक:

- मतदान प्रतिशत में गिरावट के लिए विभिन्न क्षेत्रों में लू/हीटवेव की स्थिति को एक महत्वपूर्ण कारक माना जाता है।
- चुनाव आयोग ने मौसम की स्थिति का आकलन करने और चुनाव के दौरान गर्म मौसम से जुड़े संभावित खतरों से निपटने के उपायों पर चर्चा करने के लिए आईएमडी और केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की।

शमन के उपाय:

- यह टास्क फोर्स प्रत्येक चरण के मतदान से पहले मौसम की स्थिति की निगरानी करेगी और मतदाता स्वास्थ्य और मतदान के लिए संभावित जोखिमों का आकलन करेगी।
- आईएमडी ने 26 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के चुनाव के लिए हीटवेव (heatwaves) से संबंधित प्रमुख चिंताओं की अनुपस्थिति के बारे में आश्वासन दिया है।

3. दो महिला नौसेना अधिकारी एक ऐतिहासिक ट्रांसओरेशनिक अभियान के बाद वापस लौटीं:

प्रसंग:

- भारतीय नौसेना नौकायन पोत आईएनएसवी तारिणी ने हाल ही में एक ऐतिहासिक ट्रांसओरेशनिक अभियान पूरा किया, जो भारतीय नौसेना और पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। दो महिला अधिकारियों, लेफिटनेंट कमांडर दिलना के। और लेफिटनेंट कमांडर रूपा ए. के नेतृत्व में, यह अभियान भारतीय महिला नाविकों द्वारा हासिल की गई पहली ऐसी उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करता है। उनकी यह असाधारण यात्रा एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, क्योंकि वे ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली दो महिलाएं हैं।

ऐतिहासिक अभियान:

- डबल-हैंडेड मोड में शुरू किया गया यह अभियान 28 फरवरी को गोवा से शुरू हुआ, जिसमें प्रसिद्ध जलयात्रा कमांडर अभिलाष टॉमी (सेवानिवृत्त) उनके गुरु थे।

- हिंद महासागर के अनप्रेडिक्टेबल एलिमेंट्स से होता हुआ आईएनएसवी तारिणी 22 दिन की यात्रा के बाद 21 मार्च 2024 को पोर्ट लुइस, मॉरीशस पहुंचा।
- मॉरीशस में अपने प्रवास के दौरान, अधिकारी मॉरीशस तट रक्षक के कर्मियों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों और प्रशिक्षण उड़ानों में लगे रहे, जिससे दोनों समुद्री देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए।

चुनौतियाँ और लचीलापन:

- वापसी यात्रा में भारी हवाओं, प्रतिकूल समुद्री स्थितियों और उबड़-खाबड़ समुद्रों सहित लगातार चुनौतियाँ सामने आई, फिर भी अधिकारियों ने असाधारण समुद्री कौशल और लचीलेपन का प्रदर्शन किया।
- उनकी उपलब्धियाँ लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और समुद्री क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने की भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं।

भविष्य के अभियान:

- लेफिटनेंट कमांडर दिलना और लेफिटनेंट कमांडर रूपा अब अपनी अगली स्मारकीय यात्रा की तैयारी कर रहे हैं, जो दुनिया की एक जलयात्रा है, जिसे सागर परिक्रमा-IV (*Sagar Parikrama-IV*) अभियान के रूप में जाना जाता है, जो इस साल सितंबर में शुरू होने वाली है।

महत्व:

- दो महिला नौसेना अधिकारियों द्वारा ट्रांसओशनिक अभियान का सफल समापन भारत के समुद्री इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- यह लैंगिक समानता और पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों में महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

- यह अभियान मॉरीशस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करता है और वैश्विक मंच पर भारत की समुद्री क्षमताओं और प्रतिष्ठा को बढ़ाता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. INSV तारिणी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. आईएनएसवी तारिणी भारत में निर्मित एक नौकायन जहाज है।
2. यह भारतीय नौसेना की पहली सेलबोट है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: a

व्याख्या:

- आईएनएसवी म्हेदी (INSV Mhedi) के बाद यह भारतीय नौसेना की दूसरी सेलबोट है।

प्रश्न 2. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह गृह मंत्रालय की एक एजेंसी है।
2. यह एक वैधानिक निकाय है।
3. इसकी अध्यक्षता गृह मंत्री करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने गलत हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 3 गलत है। इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पद्म विभूषण भारत का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार है।
2. सभी पद्म पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं।
3. पद्म श्री भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- भारत रत्न भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। पद्म श्री चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

प्रश्न 4. एस्चेरिचिया कोलाई के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. एस्चेरिचिया कोलाई एक ग्राम-नेगेटिव बैकटीरिया है।
2. यह इंसानों और जानवरों की आंतों में पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं।

प्रश्न 5. स्टार प्रचारकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राजनीतिक दल एक निश्चित संख्या में स्टार प्रचारकों की नियुक्ति कर सकते हैं, जिसमें मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लिए अधिकतम 40 और पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों के लिए अधिकतम 20 स्टार प्रचारकों की अनुमति होती हैं।
2. चुनाव अधिसूचना के 7 दिनों के भीतर उनके नाम चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सूचित किए जाने चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

- प्रश्न 1. कमज़ोर समुदायों के विशेष संदर्भ में, भारत में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक नए**

अधिकार-आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा कीजिए। (20 अंक, 250 शब्द)

(सामान्य अध्ययन - II, सामाजिक न्याय) (Elaborate upon the need for a new rights-based approach in dealing with climate change in India, with special reference to vulnerable communities. (20 Marks, 250 Words) (General Studies – II, Social Justice))

प्रश्न 2. रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) से निपटने के लिए दवा की खोज से जुड़ी चुनौतियों और इस वैश्विक स्वास्थ्य खतरे से निपटने में सहयोगात्मक प्रयासों की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (20 अंक, 250 शब्द) (सामान्य अध्ययन - III, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) (Discuss the challenges associated with drug discovery to combat antimicrobial resistance (AMR) and the role of collaborative efforts in addressing this global health threat. (20 Marks, 250 Words) (General Studies – III, Science and Technology))

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)**